पाठ 4. तिवारी का तोता

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में तनाव से निपटने का कौशल विकसित करना है ताकि उनमें अपनी तथा दूसरों की भावनाओं के प्रति समझ पैदा हो सके। स्वतंत्रता जीवन का सबसे बड़ा सुख है। यह किसी भी कीमत पर मिले, इसे पा लेना चाहिए। अपनी आज़ादी बेचकर जो सुविधाएँ हम पाते हैं, वे हमारी आत्मा के लिए अभिशाप हैं। तिवारी के तोते ने अपनी बोली बोलते ही कितने ही घाव खाए, यहाँ तक कि उसे प्राण तक देने पड़े। यही सच है, और मनुष्य अकसर इसे भुलाकर घुटन में जीने का चुनाव कर बैठता है।

पाठ का सार

तिवारी जी ने एक तोता पाला। तोते को सुंदर पिंजरे में रखा गया और उसे दाने-पानी की सारी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। बस शर्त यही कि पिंजरे का तोता मनुष्य की बोली में बात करे और सुविधाओं के पुरस्कार के साथ मज़े में रहे।

एक दिन जंगल का एक तोता पिंजरे में बंद तोते के पास आया। दोनों ने अपने-अपने जीवन को बेहतर बताया। जंगली तोता कल आने का वादा करके चला गया। जाते-जाते उसने पिंजरे के तोते को एक सुझाव दिया कि एक दिन, बस एक दिन वह अपनी बोली में बोलकर देखे, अपने मन से जीकर देखे और एक दिन मालिक के आदेश का पालन करना छोड़कर देखे। उसे अपनी ज़िंदगी का सुख पता चल जाएगा।

अगले दिन पिंजरे के तोते ने मनुष्य की भाषा में बात करने से इनकार कर दिया। मालिक के बेटे ने इस कारण उसे अनेक घाव दिए। इतने घाव कि पिंजरे के तोते के प्राण पखेरू उड़ गए। सुबह तोते का निष्प्राण शरीर पिंजरे में था। पिंजरा खुला पड़ा था। पिंजरे के बाहर जंगली लेकिन आज़ाद तोता अपने साथी के शोक में उदास बैठा था।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  आज़ादी के महत्व की चर्चा पाठ शुरू करने से पहले ही करें तो अच्छा होगा। तोतों के वार्तालाप वाले अंश का अभिनय बच्चों से करवाएँ। जीवों के प्रति दया का भाव दिखाने के लिए बच्चों को प्रेरित करें। तिवारी के बेटे की करतूत उचित है या अनुचित, इस विषय पर बच्चों की राय पूछें और अपनी राय भी बताएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 65** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, यह उदाहरण देकर समझाएँ। क्रियाविशेषण क्रिया की विशेषता बताते हैं। वाक्य में विशेषण और क्रियाविशेषण की पहचान का तरीका बताएँ। विशेषण के संबंध में बताएँ कि वे गुण, रूप, आकार, परिमाण, संख्या, आदि की विशेषता बताते हैं। क्रियाविशेषण के संबंध में बताएँ कि वे क्रिया की गति, स्थान, परिमाण व समय के बारे में संकेत देते हैं।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - ❖ इस क्रियाकलाप के माध्यम से परतंत्र भारत के बारे में जानकारी दें व उससे संबंधित प्रश्न पूछें।